सक्सेस मिरर

वर्ष : 9
अंक : 104
सितम्बर : 2018

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

8 | सम्पादकीय

9 | समसामयिकी घटना संग्रह

10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 | आर्थिक घटना संग्रह

- खरीफ फसलों के लिए सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि को मंजूरी दी
- भारत बना दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था: रिपोर्ट
- बेंगलूरू को मिला भारत का पहला ई-वेस्ट प्लांट

22 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- राष्ट्रपति ने राज्यसभा के लिए चार सदस्यों को मनोनीत किया
- प्रधानमंत्री मोदी ने किया संत कबीर अकादमी का शिलान्यास
- उत्तराखंड में पशु कानूनी व्यक्ति के रूप में घोषित हुए

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जेई-इन की भारत यात्रा
- भारत और डेनमार्क के बीच पशुपालन और डेयरी समझौता
- भारत का एक और स्थल यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल

31 | खेल खिलाड़ी

- भारत ने इंगलैंड को पराजित कर टी-20 मैचों की शृंखला 2-1 से जीत ली

- भारत ने आयरलैंड को 2-0 से पराजित कर टी-20 शृंखला जीती
- फ्रांस बना फीफा विश्व कप-2018 का विजेता

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

39 | आरक्षण लेख—अति पिछड़ों को साधने की कवायद

40 | मौसम विज्ञान लेख—आपदा की आहट पाने में नाकाम मौसम सूचना प्रणाली

41 | कॅरियर लेख—सुनहरे कॅरियर का पर्याय–रूरल हेल्थ केयर पाठ्यक्रम

43 | आर्थिक टिप्पणियाँ

44 | बिहार करेन्ट अफेयर्स एवं बजट 2018-19

85 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

86 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-101 का परिणाम

87 | राजस्थान : नवीनतम सार संग्रह

89 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

49 | छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2017 (प्रथम प्रश्न-पत्र)

59 | उत्तर प्रदेश पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा, 2018

68 | मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक (जनरल ड्यूटी) भर्ती परीक्षा, 2017

75 | बिहार पुलिस सिपाही व अग्निक भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

77 | आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड ग्रुप 'डी' कम्प्यूटर आधारित परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2303340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता– 700 003 (W.B.)
फोन– 033-25551510

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) फोन– 040-24557283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **इन्दौर**
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
फोन– 0712-6564222
मो– 09370877776

सम्पादकीय

यदि सफल अधिकारी बनना है, तो तलवार की धार पर चलने का अभ्यास कीजिए

No matter how educated, talented, rich or cool you believe you are, how you treat people tells all. Integrity is everything.

सेवक-धर्म बहुत कठिन होता है. स्वामी के पास खड़ा रहे, तो मुश्किल, हर बात को सुनना चाहता है; दूर खड़ा रहे, तो आफत- जाने कहाँ चला जाता है; बोले तो वाचाल कहाए, चुप रहे तो मुँह में दही जमाने वाला कहाए— आदि. इसी प्रकार, रिश्वत ले तो भ्रष्टाचार के आरोप पर लटकता रहे, न ले और खाली ईमानदार बन कर रहे, तो हर वक्त तबादले का ऑर्डर दरवाजा खटखटाता रहे, प्रत्येक नौकरशाह को न्यूनाधिक ऐसी परिस्थितियों के मध्य अपने कर्त्तव्य का पालन करना पड़ता है.

मानव स्वभाव का निर्माण करने वाली तीन एषणाएं प्रसिद्ध हैं—पुत्रैषणा, वित्तैषणा और लोकैषणा. हमारे विवेच्य विषय के संदर्भ में वित्तैषणा और लोकैषणा ये दो एषणाएं ही प्रासंगिक हैं.

वित्तैषणा का निहितार्थ धनार्जन से है. धनार्जन की इच्छा हर व्यक्ति में होती है और होनी चाहिए. समाज की स्वस्थ अवधारणा को सुदृढ़ करने की दृष्टि से उचित साधनों से धनार्जन को ही मान्यता प्रदान की गई है. अनुचित साधनों द्वारा अर्जित धन को मूल्य आधारित किसी समाज ने सही नहीं माना है. आज भी बड़े-से-बड़ा भ्रष्टाचारी भी अपने को भ्रष्टाचारी के रूप में समाज के सम्मुख प्रस्तुत नहीं करना चाहेगा. कुअवसर आने पर अपने को दूध का धुला ही प्रमाणित करने का प्रयत्न करेगा.

यदि शुभ-अशुभ कर्मों की वैज्ञानिक और तर्कसम्मत व्याख्या की जाए, तो इनका सम्बन्ध उपादेयता, उपयोगिता तथा जन कल्याणशीलता से जोड़ना पड़ेगा. यह स्वयंसिद्ध तथ्य है कि समाज में जिस व्यक्ति की जितनी अधिक उपादेयता होगी, उसी अनुपात में वह समाज से सम्मानित होता है. उपादेयता के क्षेत्र को जैसे-जैसे विस्तार प्राप्त होता जाता है, वैसे-वैसे उस व्यक्ति का प्रभामण्डल विस्तृत होता जाता है. अतएव जिस कर्म से जनकल्याण हो, वह शुभ कर्म है और जिस कर्म से जनोत्पीड़न, जनहितक्षय हो, वह अशुभ कार्य है. शुभ कर्म का हेतु होने पर काम वन्दनीय है और अशुभ कार्य का हेतु बनने पर यह काम निन्दनीय बन जाता है—काम से जी चुराना, निर्धारित समय से कम समय काम करना, काम को टालना, दबाव में फैसला करना, भयवश कार्य करना आदि बौद्धिक बेईमानी हैं. बौद्धिक बेईमानी वर्तमान परिदृश्य में सबसे खतरनाक मोड़ ले चुकी है. वित्तीय ईमानदारी होते हुए भी बहुसंख्यक नौकरशाह (सरकारी अफसर, जिन्हें ब्यूरोक्रेट कहा जाता है), बौद्धिक बेईमानी से ग्रसित हैं. कारण स्पष्ट है. उसको अनेक निर्णय अनेक प्रकार के दबावों के अन्तर्गत करने पड़ते हैं. जब वह नियमानुसार मिलने वाले निर्णय को अ के पक्ष में न देकर, किसी प्रभाववश ब के पक्ष में दे देता है, तब वह बौद्धिक रूप से बेईमान है. ऐसा करने पर उसका अन्तर्मन उसको अवश्य कचोटता है, परन्तु गाढ़े समय का भय उससे ऐसा निर्णय करा देता है.